मुंबई में अंडरग्राउंड मेट्रो परियोजना महाविकास आघाड़ी सरकार की बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक है। इस परियोजना का काम काफी तेज गति से पूरा हो रहा है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन नए साल की शुरुआत बहुत ही सकारात्मक तरीके से कर रही है। यही कारण है कि अप्रैल २०२० से दिसंबर २०२१ की अवधि के दौरान इन २० महीनों में पांच हजार करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों को अंजाम दिया गया है।

इंफ्रा-चेक

○ सुजीत गुप्ता

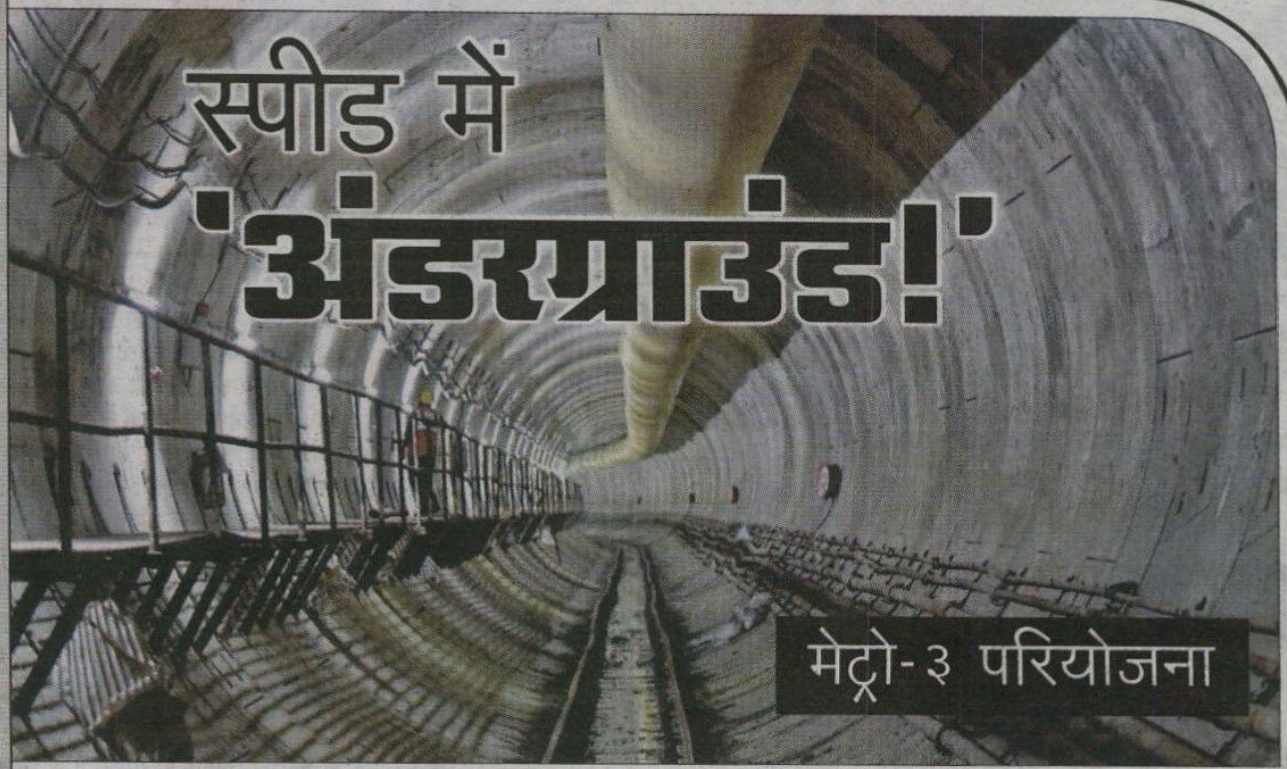

स्पीड में 'अंडरग्राउंड!'

मेट्रो-३ परियोजना

→ २० महीने में ₹५,००० करोड़ का काम हुआ पूरा

८२ फीसदी सिविल कार्य पूरा

अंडरग्राउंड मेट्रो परियोजना को साकार करने के लिए दिन-रात एक कर १६,००० से अधिक श्रमिकों की लगभग पूरी क्षमता के साथ काम किया जा रहा है। वर्तमान में ९७ फीसदी टनलिंग और ८२ फीसदी सिविल कार्य पूरा हो चुका है।

११ स्टेशनों के ८५ फीसदी काम पूरे

३३.५ किमी लंबी कोलाबा-बांद्रा सिप्ज अंडरग्राउंड मेट्रो के ग्यारह स्टेशन-कफ परेड, विधान भवन, चर्चगेट, हुतात्मा चौक, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई सेंट्रल, सिद्धि विनायक, सीएसएमआई-टी२, मरोल, एमआईडीसी और सिप्ज - ८५% से अधिक काम पूरा हो चुका है, जबकि १० स्टेशन महालक्ष्मी, विज्ञान संग्रहालय, वर्ली, दादर, धारावी, बीकेसी, विद्यानगरी, सांताक्रुज, सीएसएमआई टी-१ और सहार रोड ७५ प्रतिशत से अधिक प्रगति दिखा रहे हैं। शेष पांच स्टेशनों- गिरगांव, कालबादेवी, ग्रांट रोड, शीतलादेवी, आचार्य अत्रे चौक ने लगभग ५०% प्रगति की है।

- १६,००० श्रमिक कर रहे हैं काम
- ९७ फीसदी टनलिंग कार्य हुआ पूरा

टनलिंग सेगमेंट रिंग्स

अप्रैल २०२० से दिसंबर २०२१ की अवधि के दौरान टनलिंग सेगमेंट रिंग्स के ६,७२१ मीटर, बेस-स्लैब के ३३,५१४ वर्ग मीटर, कॉनकोर्स स्लैब के ४८,३३६ वर्ग मीटर, कार पार्क स्लैब के ८,९४२ वर्ग मीटर और रूफ स्लैब के ५८,५०३ वर्ग मीटर कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

लग रहे हैं एस्केलेटर

सिस्टम की ओर से १६ एस्केलेटर वितरित किए गए हैं, जिनमें से दो सिद्धि विनायक स्टेशन पर और एक एमआईडीसी स्टेशन पर स्थापित किया गया है। ४ लिफ्ट वितरित की गई है, जिनमें एमआईडीसी और सिद्धि विनायक स्टेशन पर एक-एक स्थापित किया गया है। अन्य दो संयोजन चरण में हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि दो ट्रेनें तैयार हैं और दूसरी प्रक्रिया में हैं। १५% से अधिक ट्रैक पहले ही बिछाए जा चुके हैं, जिनका काम प्रगति पर है।

२०२२ में मिलेगी बड़ी सफलता

इस वर्ष २०२२ में कई बड़े काम होंगे जैसे टनलिंग का पूरा होना, सिस्टम की स्थापना, स्टेशनों पर वास्तुशिल्प का काम खत्म करना, परियोजना के लिए दावा की गई भूमि के मूल टुकड़ों को वापस भरना और बहाल करना, ट्रैक कार्य, विद्युतीकरण और स्टेशनों आदि को वातानुकूलित करना शामिल है।